

**E-Governance** को लागू करने के लिये वित्तीय आवश्यकता को नकारते हुए उपलब्ध संसाधनों का उपयोग किया गया। सामान्यतः **E-Governance** हेतु सम्पन्न अधोसंरचना (**Infrastructure**) व बाह्य संसाधनों (**Outsourcing**) के सहयोग की परिकल्पना की जाती है। परन्तु विभाग ने अन्य शासकीय संस्था के सहयोग से निःशुल्क (**Free of Cost**) इस परिकल्पना को साकार किया है।

इस व्यवस्था से क्षेत्रीय स्तर पर स्थित महाविद्यालय को इस कार्य में संलग्न कर **Information** को **Electronically** व्यवहार में लाने की परिपाटी प्रचलन में ला सके। इसका व्यवहारिक उदाहरण **Website** की प्रतिदिन **Hitting** से सहजता से लगाया जा सकता है।

शीर्षस्थ कार्यालय में जानकारी का संकलन क्षेत्रीय स्तर पर स्थित महाविद्यालय से होता है। पूर्व में जानकारी **Hard copy** में डाक से भेजी जाती थी। जिसके संकलन में अत्यधिक श्रम लगता था। इस प्रक्रिया के निवारण (**Solution**) हेतु विभागीय स्तर पर कार्य की आवश्यकतानुसार **Software** विकसित किये गये। जिसे **Website** पर उपलब्ध कराते हुए जानकारी अद्यतन करा कर **E-mail** से प्राप्त किया गया, जिससे संकलन त्वरित हो सके। इस प्रयोग में सफलता पाई व **Postal Expenditure** कम किया गया। शासकीय स्तर पर समय व श्रम की बचत हेतु, शासन स्तर की योजनाओं व विभागीय कार्य की सुलभता हेतु निःशुल्क **Software** विकसित किये गये।